दीप – उत्सव

रोशनी का पर्व है दीप तुम जलाना
जो हर दिल को अच्छा लगे ऐसा गीत तुम गाना
दुख दर्द सारे भूलकर तुम सबको गले लगाना
दीपावली का यह त्योहार मित्रों
सब मिलकर खुशियों से मनाना ।

कुछ इसी प्रकार के भावों की अभिव्यक्ति आज सेंट मोन्टफोर्ट विदयालय के छात्र छात्राओं द्वारा दीपावली उत्सव हेतु आयोजित विशेष प्रार्थना सभा के कार्यक्रम की थी। इस प्रार्थना सभा में छात्र–छात्राओं ने पांच दिन के दीपावली उत्सव के प्रत्येक दिन की ऐतिहासिकता और महत्व को विभिन्न झलकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। साथ ही उन्होने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपने साथियों को पटाखों के माध्यम से प्रदूषण न करने की तथा दीपावली पर मिटटी के दीपक जलाने की प्रेरणा भी दी ।

इस अवसर पर विदयालय के इको विभाग की सदस्य श्रीमति सोनिया सुजीश एवं कु. रोज़लीन एक्का ने भी छात्रों को प्रदूषण की भयावहता व उसे दूर करने के उपायों के बारे में बताया । उन्होने छात्रों को ई–वेस्ट और उसके खतरों के बारे बताया । उन्होने छात्रों को यह जानकारी दी कि सेन्ट मोन्टफोर्ट विदयालय ने ई–वेस्ट के निवारण हेतु सक्रिय कदम उठाया है। छात्र अपने घर ई–वेस्ट लाकर विद्यालय में जमा कर सकते है । विदयालय द्वारा उसके निष्पादन की उचित व्यवस्था की जायेगी

आज का दिन सेंट मोन्टफोर्ट विदयालय के लिए उत्सव का ही दिन था क्योकि आज अवसर था विदयालय के उपप्राचार्य ब्रदर जॉन मिंज के जन्म दिवस का । इस अवसर पर सभी लोगों ने ब्रदर को शुभ कामनाएँ प्रेषित की । विदयालय के छात्र –छात्राओं ने मनमोहक नृत्य व गीत द्वारा ब्रदर को जन्मदिन की शुभ कामनाएँ दी ।

कार्यक्रम के अंत में विदयालय के प्राचार्य ब्रदर टी एलेक्स ने छात्रों को यह संदेश दिया कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। अतः हमें यह त्योहार अपने मन के अंधकार (बुराइयों)को मिटाकर मनाना चाहिए । उन्हाने छात्रों को पटाखों के माध्यम से प्रदूषण न फैलाने की प्रेरणा दी । साथ ही उन्होने छात्रों को यह प्रेरणा भी दी कि किसी गरीब के घर में दीप जलाकर हम सच्चे अर्थो में दीप पर्व मना सकते है।